हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, शनिवार, 8 मार्च 2025

उपराजधानी के रामनगर परिसर में हत्या

नागपुर. नागपुर के अंबाजरी पुलिस थाने के रामनगर चौक पर दिनदहाड़े हुए एक विवाद ने खौफनाक मोड़ ले लिया, जब फुटपाथ पर दुकान लगाने को लेकर हुई कहासुनी में एक सब्जी विक्रेता ने अपने एक साथी के साथ मिलकर गैरेज चालक की हत्या कर दी। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एकआरोपी को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच कर रही है। अंबाजरी पुलिस थाने के रामनगर चौक पर दिनदहाड़े हत्या की यह घटना हुई। मृतक 37 वर्षीय पांडराबोडी निवासी विशाल निकोसे था जबकि आरोपियों में किशन रमेश तिवारी और उसके दोस्त निलेश सर् सरोदयय का समावेश है। मृतक विशाल पिछले 18 साल से रामनगर स्थित फुटपाथ पर ही गैरेज चलता था जबकि आरोपी किशन तिवारी पिछले 7 साल से उसके बाजू में ही सब्जी की दुकान लगता है.

कल्याणी जाधव के हरफनमौला प्रदर्शन से मध्य प्रदेश की शानदार जीत

नागपुर. एलईडी कॉलेज नागपुर के मैदान पर खेले गए महिला अंडर-23 एक दिवसीय क्रिकेट मैच में मध्य प्रदेश ने त्रिपुरा को 6 विकेट से हराकर 4 अंक अर्जित किए।

त्रिपुरा की कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन पूरी टीम 38.1 ओवर में 113 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। त्रिपुरा की ओर से अनामिका दास ने सबसे अधिक 57 रन बनाए, जिसमें 7 चौके शामिल थे। मेघा सरकार ने 9 रन और अतिरिक्त रनों के रूप में 20 रन मिले। मध्य प्रदेश की ओर से उपकप्तान कल्याणी जाधव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 8 ओवर में मात्र 7 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि वैष्णवी शर्मा ने 11 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में मध्य प्रदेश की टीम ने 25 ओवरों में 4 विकेट खोकर 117 रन बनाकर जीत दर्ज की। कप्तान सौम्या तिवारी ने 46 गेंदों पर 45 रन बनाए, जबकि श्रेया दीक्षित ने 22 और अनन्या दुबे ने 17 रनों का योगदान दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए कल्याणी जाधव को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। बता दें कि कल्याणी का ननिहाल नागपुर में है, उनका जन्म नागपुर के गणेशपेठ में हुआ, लेकिन वे मध्य प्रदेश के बैतूल की रहने वाली हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने किया मेगा एमएसएमई आउटरीच कैंपेन का आयोजन

नागपुर. भारत सरकार के "विकसित भारत" मिशन को समर्थन देते हुए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने देशभर में एक सप्ताह तक चलने वाले मेगा एमएसएमई आउटरिच कैंपेन की शुरुआत की। नागपुर में इस विशेष अभियान का उद्घाटन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के जनरल मैनेजर, केंद्रीय कार्यालय मुंबई, अरुण कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर एमवीएन रवि शंकर, क्षेत्रीय प्रमुख, नागपुर भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में बैंक के एमएसएमई उद्यमी-मित्र उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें एमएसएमई सुपरफास्ट, युवा शक्ति, यूनियन नारिशक्ति, सरकारी योजनाएं और वित्तीय समावेशन से जुड़े अन्य उत्पाद शामिल थे। इस मेगा कैंप में 500 से अधिक उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) और 150 से अधिक उधारकर्ताओं ने भाग लिया। बैंक ने इस अभियान के तहत योग्य उधारकर्ताओं को कुल 80 करोड़ रुपये के ऋण की स्वीकृति प्रदान की, जो राज्य के विकासात्मक लक्ष्यों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का यह प्रयास एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संतरे सहित तमाम फलों और सब्जियों की होगी प्रोसेसिंग

> विदर्भ का किसान अब बनेगा राजा: आचार्य बालकृष्ण

नागपुर.

बहुप्रतीक्षित पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क का उद्घाटन नौ मार्च को होने जा रहा है। उद्घाटन से पहले शुक्रवार को पतंजलि आयुर्वेद के एमडी और सीईओ आचार्य बालकृष्ण नागपुर पहुंचे। जहां उन्होंने पतंजलि के नागपुर प्लांट को लेकर पूरी जानकारी दी। बालकृष्ण ने कहा कि, "दुनिया की हाईटेक टेक्नोलॉजी वाली मशीनें इस प्लांट में लगाई गई हैं। जहां ने केवल संतरे बल्कि तमाम फलों और सब्जियों की प्रोसेसिंग की जाएगी। इसी के साथ उन्होंने यह भी का कि, विदर्भ का किसान अब मांगने वाला नहीं देने वाला बनेगा।

उपराजधानी के मल्टी मॉडल इंटरनेशनल कार्गो हब एवं एयरपोर्ट क्षेत्र में स्थित पतंजलि मेगा फूड एवं हर्बल पार्क नौ मार्च से उत्पादन के लिए तैयार हो जाएगा। इस मेगा फूड पार्क की आधारशिला सितंबर 2016 में रखी गई थी। अब यह पार्क फल एवं सब्जी प्रसंस्करण का प्रमुख केंद्र बनने के लिए तैयार है। यह फूड पार्क विशेष रूप से संतरे, नींबू, नींबू आदि खट्टे फलों के प्रसंस्करण के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें प्रतिदिन 800 टन फलों का प्रसंस्करण कर जूस, जूस कंसन्ट्रेट, पल्प, पेस्ट और प्यूरी का उत्पादन किया जाएगा। इसके साथ ही आम, अमरूद, पपीता, अनार, स्ट्रॉबेरी, सेब, नाशपाती, टमाटर और गाजर जैसे उष्णकटिबंधीय फलों का भी प्रसंस्करण किया जाएगा।

इस फूड और हर्बल पार्क के बारे में अधिक जानकारी देते हुए पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि स्थानीय महाराष्ट्र के लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए हमारा प्रयास जारी रहेगा। हम यहां स्थानीय युवाओं के लिए खाद्य प्रसंस्करण कौशल का प्रशिक्षण आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, और हम यहां के किसानों से लाए गए सभी संतरे खरीदने का प्रयास करेंगे। हमारे फूड पार्क को प्रतिदिन 800 टन संतरे की आवश्यकता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही हर दिन अधिक संतरे आते हों, हम उनका उपयोग करने की कोशिश करते हैं। वह नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि हम 'बी' और 'सी' ग्रेड के छोटे आकार के संतरे खरीदेंगे। इससे लोग बाजार से 'ए' ग्रेड के संतरे खा सकेंगे। संतरे का उपयोग न केवल जूस निकालने के लिए किया जाएगा, बल्कि संतरे के छिलके और गूदे का उपयोग अन्य उत्पाद बनाने के लिए भी किया जाएगा। इस बीच, फूड एवं हर्बल पार्क के माध्यम से दस हजार लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। हम स्थानीय महाराष्ट्र वासियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करते रहेंगे। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि हम स्थानीय युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण में कौशल प्रदान करने के लिए इस स्थान पर प्रशिक्षण आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

हम यहां जिस प्रौद्योगिकी का उपयोग करने जा रहे हैं, उसका उपयोग एशिया में पहली बार खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में किया जा रहा है। इसलिए, हमारे उत्पाद इतनी गुणवत्ता वाले होंगे कि उन्हें दुनिया के किसी भी देश में निर्यात किया जा सकेगा। अब तक हमने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। भविष्य में इसका विकास होगा। इस परियोजना में, हमारे पास 225 एकड़ भूमि एसईजेड के बाहर है, जबकि 100 एकड़ भूमि एसईजेड के अंदर है। वर्तमान में यहां 500 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे हैं। संतरे के अलावा इस स्थान पर आंवला, एलोवेरा, अमरूद और अन्य फलों का जूस भी तैयार किया जाता है। हमें बस किसानों से फल लाने की जरूरत है।

किसानों के खेतों से उठाएंगे उत्पाद

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि, पतंजलि सीधा किसानों से उनका उत्पाद खरीदेगी। ऑनलाइन और डिजिटल माध्यम से यह खरीदी होगी। इसके लिए बाकायदा एक पोर्टल भी बनाया गया है। जहां जो किसान अपनी फसल हमें बेंचना चाहता है वह उसमें रजिट्रेशन कर सीधा हमें बेंच सकता है। इससे एक तरह जहां किसानों को ज्यादा पैसा मिलेगा, वहीं जो बिचौलिये मुनाफा कमाते थे वह भी बंद होगी।" बालकृष्ण ने आगे कहा कि, "हम किसानों को सीधे उनके खेत से फसल उठाएंगे। पोर्टल में किसान अपनी पूरी जानकारी जमा कर देंगे तो हम सीधा उनके खेत से फसल उठाएंगे। इससे किसानों का माल ढुलाई का पैसा बचेगा।" इसी के साथ उन्होंने विदर्भ सहित पुरे महाराष्ट्र में खरीदी केंद्र सहित चैनल बनाने की बात भी कही।

आचार्य बालकृष्णन को विधायक आशीष देशमुख ने फल बागान देखने के लिए किया आमंत्रित

तेलकामठी.

योग गुरु बाबा रामदेव के शिष्य आचार्य बालकृष्णन विधायक डॉ. आशिषराव देशमुख के साथ तेलकामठी स्थित किसान हबीब मालधारी के खेत पहुंचे। किसान हबीब मालधारी ने अपनी कड़ी मेहनत से संतरे के बागान तैयार किए हैं। विधायक डॉ. आशिषराव देशमुख ने आचार्य बालकृष्णन को इस खेत का दौरा कराने के पीछे मुख्य उद्देश्य बताया कि आने वाली 9 तारीख को एशिया के सबसे बड़े पतंजलि फूड और हर्बल पार्क का उद्घाटन होने जा रहा है, जिससे किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर उन्होंने आचार्य बालकृष्णन से चर्चा की कि किस तरह पतंजलि के माध्यम से किसानों को अधिक से अधिक फायदा पहुंचाया जा सकता है। इस दौरान आचार्य बालकृष्णन ने उपस्थित किसानों को पतंजलि फूड पार्क के महत्व को समझाया और उन्हें 9 मार्च को होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस कार्यक्रम में अशोक धोटे, प्रकाश टेकाडे, मनोहर कुंभारे, जिला कृषि अधीक्षक मनोहर, डॉ. जयदेव, रामराव मोवाडे, यशपाल आर्या, मनोज जवजाल सहित कई किसान उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन

नागपुर. लिबरल एजुकेशन सोसायटी, नागपुर द्वारा संचालित हडस हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज तथा हडस हाई स्कूल नागपुर एलुमिनी एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में स्कूली विद्यार्थियों के लिए मेडिकल चेकअप शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर हडस स्कूल के रोटरी हॉल में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की संपूर्ण जांच की गई।

शालिनीताई मेघे अस्पताल, नागपुर के निदेशक रवि मेघे ने इस अवसर पर कहा कि प्रत्येक माता-पिता को अपने बच्चे के शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए ताकि छात्रों का समग्र विकास हो सके। स्वास्थ्य जांच शिविर में प्रमुख रूप से दंत चिकित्सक और कान, नाक, गला विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उपस्थित रही, जिनमें – डॉ. हारा, डॉ. दास, डॉ. मदनकर, डॉ. कुकडे, डॉ. हिना भांडेकर (सहायक प्रोफेसर), डॉ. रितुजा किर्वे शामिल थे। इन डॉक्टरों ने विद्यार्थियों की सामान्य स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। इस शिविर से लगभग 500 विद्यार्थियों को स्वास्थ्य जांच का लाभ प्राप्त हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या जयश्री रानाडे ने कहा, "हडस विद्यालय के पूर्व छात्र आज प्रतिष्ठित डॉक्टर बनकर समाज सेवा में योगदान दे रहे हैं, यह विद्यालय के लिए गर्व की बात है। इस स्वास्थ्य जांच शिविर से निश्चित रूप से छात्रों को लाभ मिलेगा और वे स्वस्थ रहेंगे। चूंकि शिविर में भाग लेने वाले सभी डॉक्टर हडस के पूर्व छात्र हैं, इसलिए मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं।" हडस हाई स्कूल नागपुर पूर्व छात्र संघ के निर्देशक किरण दुरुगकर ने कहा कि एसोसिएशन विद्यालय के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियां आयोजित की जाती रहेंगी। स्वास्थ्य जांच शिविर को सफल बनाने के लिए पूर्व छात्र प्रसाद धारप और बोर्ड के सदस्य –

उन्मेष देशपांडे, महेंद्र लिमये, क्षितिज इंगले, दीक्षा चौधरी ने कड़ी मेहनत की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, स्कूल पर्यवेक्षक अजय लाबडे सहित शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी उपस्थित थे। राष्ट्रीय छात्र सेना के कैडेटों ने डॉ. सुशिल वंजारी के मार्गदर्शन में अपने स्वयंसेवी कर्तव्यों को निष्ठापूर्वक निभाया।

संगठन के अध्यक्ष डॉ. ए.पी. जोशी और सचिव नीलेश साठे ने इस महत्वपूर्ण पहल की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। पूर्व छात्रों द्वारा आयोजित यह स्वास्थ्य जांच शिविर न केवल विद्यार्थियों के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ बल्कि समाजसेवा की एक प्रेरणादायक मिसाल भी बन गया। इससे विद्यालय और पूर्व छात्रों के बीच संबंध और भी मजबूत हुए।

पीने के पानी की गंभीर समस्या पर एआईएमआईएम का मनपा नेहरू नगर जोन में विरोध

> आंदोलन की चेतावनी

नागपुर.

नागपुर महानगर पालिका के नेहरू नगर जोन अंतर्गत प्रभाग क्रमांक 30, ताजाबाद शरीफ इलाके में पिछले कई वर्षों से पीने के पानी की पाइपलाइन में गटर के गंदे पानी का रिसाव हो रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर नागरिकों ने कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन मनपा और ओसीडब्ल्यू विभाग के अधिकारियों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि प्रशासन की लापरवाही के कारण इलाके में पीलिया, मलेरिया और हैजा जैसी गंभीर बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। नागरिकों की परेशानियों को अनदेखा करते हुए, ओसीडब्ल्यू अधिकारियों ने ताजाबाद में पानी की टंकी बनने के बाद समस्या के समाधान का दावा किया था, लेकिन आज तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। ताजाबाद, निराला सोसायटी, तौहीद नगर, औलिया नगर, ठाकुर प्लॉट और अन्य इलाकों में पीने के पानी की गंभीर किल्लत बनी हुई है। पानी का दबाव बेहद कम है, और नलों में पानी रात 10 से 11 बजे के बीच ही आता है। गर्मी का मौसम नजदीक है और अभी से पानी की किल्लत गहरा गई है, जिससे आने वाले दिनों में स्थिति और भयावह होने की आशंका है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए एआईएमआईएम पार्टी ने मनपा प्रशासन के खिलाफ बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी: शकील पटेल, इसहाक मंसूरी, शोएब अहमद, कलिम मिरकाशिम, सैय्यद फहीम, खादिम आमिन ताजी, नूर मोहम्मद, निसार ताजी, सोहेल सत्तार, इसहाक कुरैशी, युसुफ मंसूरी, अय्यूब खान, सबदर आमिर, शेख सईद, अफजल पठान, रेहान अहमद, इमरान मंसूरी अन्य एआईएमआईएम कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी अगर जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो एआईएमआईएम पार्टी नागरिकों के साथ मिलकर मनपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी।

पदवीदान समारोह का आयोजन

नागपुर. कमिन्स अभियांत्रिकी महिला महाविद्यालय में शनिवार, 22 फरवरी 2025 को 2023-24 बैच की छात्राओं के लिए पदवीदान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मिलिंद खानापूरकर ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों और बेहतरीन कैंपस प्लेसमेंट पर प्रकाश डाला। इस समारोह में राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के प्रो-कुलपति डॉ. राजेंद्र काकड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने समारोह का उद्घाटन किया और छात्रों को प्रेरणादायी संबोधन दिया। डॉ. काकड़े ने सभी उत्तीर्ण छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए तकनीकी शिक्षा में मातृभाषा के उपयोग और उसके प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत एक से अधिक कोर्स में प्रवेश और बाहर निकलने के लाभों पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे नवीनतम तकनीकी क्षेत्रों में अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। इस भव्य समारोह में महर्षि कर्वे स्त्री शिक्षा संस्थान की स्थानीय प्रबंधन समिति के सदस्य हेमंत अंबासेलकर, श्रीकांत गाडगे, श्रीकांत चितले, सुरेखा सराफ, प्राचार्य डॉ. मिलिंद खानापूरकर और डीन अकादमिक्स डॉ. संजीवनी शास्त्री मंच पर उपस्थित थे। समारोह में 9 मेधावी छात्राओं को "बेस्ट एकेडमिक परफॉर्मर" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन छात्राओं को कमिन्स इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रायोजित नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। पुरस्कार प्रो-कुलपति डॉ. राजेंद्र काकड़े के हाथों प्रदान किए गए। इस पदवीदान समारोह में 70 से अधिक छात्राओं ने व्यक्तिगत रूप से अपनी डिग्री ग्रहण की।

बिशप कॉटन स्कूल ग्राउंड में किये अवैध कब्जे को मनपा ने किया जमीदोज

नागपुर. बिशप कॉटन स्कूल ग्राउंड में अवैध कब्ज़ा कर बनाए कैफे को नागपुर महानगर पालिका के अतिक्रमण निर्मूलन विभाग ने हटा दिया है। स्कूल की जमीन पर गैर क़ानूनी कब्ज़ा के रूप में पहचाने जाने के बाद मनपा ने शुक्रवार को बनाये ढांचे को ध्वस्त कर दिया। बिशप कॉटन स्कूल का सिविल लाइंस स्थिति वीसीए स्टेडियम के बाजू में ग्राउंड है। कुछ सालों पहले ग्राउंड के एक हिस्से पर कब्ज़ा कर वहां रेस्टोरेंट और कैफे बना लिया। स्कुल प्रशासन द्वारा लगातार कब्ज़ा हटाने को लेकर कैफे संचालक को कहा, लेकिन उसने अपना अवैध कब्ज़ा नहीं हटाया।

कर्ण बाधिर्य शिविर का आयोजन

नागपुर. श्री आयुर्वेद महाविद्यालय एवं पक्वासा समन्वय रुग्णालय, हनुमान नगर, नागपुर में 3 मार्च से 8 मार्च तक कर्ण बाधिर्य (बहरापन) शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्वर्गीय पं. वैद्य शिवकरण शर्मा छांगाणी की स्मृति में आयोजित किया गया, जो आयुर्वेद नागपुर विद्यापीठ के पूर्व अधिष्ठाता थे और राष्ट्रीय संत तुकडोजी महाराज कैंसर हॉस्पिटल के संस्थापक रहे। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। कान, नाक एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. के. शर्मा द्वारा मरीजों की निःशुल्क ऑडियोमेट्री जांच (सुनने की क्षमता की जांच) की गई। विशेष रूप से जरूरतमंद मरीजों को 8 मार्च को निःशुल्क श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) प्रदान किए गए। संस्था के कार्याध्यक्ष डॉ. गोविंद प्रसाद उपाध्याय, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बृजेश मिश्र, शालाक्यतंत्र विभाग प्रमुख डॉ. गोविंद तुंडलवार, प्रसिद्धि प्रचार प्रमुख डॉ. जयकृष्ण छांगाणी, और पदव्युत्तर स्नातक डॉ. अस्मिता, डॉ. कल्याणी, डॉ. रक्षनदा, डॉ. बरखा, डॉ. फिजा, डॉ. दिशा, डॉ. धनंजय, डॉ. प्रतीक्षा सहित अन्य चिकित्सकों ने शिविर में सहयोग किया। इस शिविर से बड़ी संख्या में मरीजों को लाभ मिला और लोगों ने इस पहल की सराहना की।

विशेष सहायता विभाग योजना का प्रचार शुरू

> जनकल्याण यात्रा का शुभारंभ

नागपुर.

महाराष्ट्र सरकार के विशेष सहायता विभाग द्वारा राज्यभर में जनकल्याण यात्रा का आयोजन किया गया है। इस यात्रा के माध्यम से विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए मोबाइल एलईडी वैन के जरिए राज्य के 34 जिलों में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

हाल ही में इस यात्रा का शुभारंभ विशेष सहायता मंत्री नरहरी झिरवाळ ने दिंडोरी, नासिक से किया। अब यह यात्रा नागपुर जिले में पहुंची है। यह अभियान कुल 15 दिनों तक चलेगा, जिसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

नागपुर जिले में इस जनकल्याण यात्रा का शुभारंभ जिला कलेक्टर डॉ. विपिन इटनकर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनायक महामुनी, निवासी उपजिलाधिकारी अनुप खांडे और तहसीलदार शीतल घावटे के हाथों हुआ। इस अवसर पर नायब तहसीलदार अमित निंबालकर, अश्विनी मडघे, एन.एन. खोंडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी जमीनों पर बिल्डर कर रहे कब्ज़ा

> मनपा और एनआईटी नहीं कर रही कार्रवाई
> विधायक ठाकरे का विधानसभा में बड़ा आरोप

नागपुर.

सरकारी जमीनों पर होने वाले अतिक्रमण को लेकर पश्चिम नागपुर विधायक विकास ठाकरे ने नागपुर मनपा और नागपुर सुधार प्रन्यास पर बड़ा आरोप लगाया है। शुक्रवार को विधानसभा में बोलते हुए ठाकरे ने कहा कि, "खेल मैदान पर बिल्डरों के अनाधिकृत प्लॉटों को नियमित किया जा रहा है, लेकिन सैकड़ों गरीब व मध्यम वर्गीय नागरिकों के प्लॉटों के नियमितीकरण की उपेक्षा की जा रही है।" इसी के साथ ठाकरे ने मनपा पर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों को बचाने और उनपर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है।

ध्यान आकर्षण प्रस्ताव के दौरान ठाकरे ने यह मुद्दा उठाया। नागपुर सुधार प्रन्यास की आलोचना करते हुए ठाकरे ने कहा, "खेल मैदान पर बिल्डरों के अनाधिकृत कब्जे को नियमित किया जा रहा है, लेकिन सैकड़ों गरीब व मध्यम वर्गीय नागरिकों के प्लॉटों के नियमितीकरण की उपेक्षा की जा रही है।"

मनपा की दोहरी नीति पर कांग्रेस विधायक का हमला

नागपुर मनपा की भेदभावपूर्ण कार्यप्रणाली पर भी हमला करते हुए कांग्रेस विधायक ने कहा कि, "गरीब फेरीवालों का सामान जब्त कर लिया जाता है और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जाते हैं, लेकिन सरकारी संस्थानों की जमीनों पर प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण पर प्रशासन आंखें मूंद लेता है।" इस दौरान विधानसभा में ठाकरे ने तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने और आम नागरिकों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की मांग भी की।

CMYK

काटोल-नरखेड़ के क्रीड़ा संकुल विकास के लिए 8 करोड़ की निधि की मांग

> खेल मंत्री दत्तात्रय भरणे को सलील देशमुख ने सौंपा मांग पत्र

काटोल/नरखेड़/कोंढाली.

काटोल और नरखेड़ के क्रीड़ा संकुलों के विकास कार्यों को गति देने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता सलील देशमुख ने खेल मंत्री दत्तात्रय भरणे से मुलाकात कर 8 करोड़ की स्वीकृत निधि के आवंटन की मांग की। उन्होंने बताया कि यह राशि पूर्व खेल मंत्री संजय बनसोडे के कार्यकाल में मंजूर की गई थी, लेकिन अब तक इस राशि का वितरण नहीं हुआ है।

सलील देशमुख ने कहा कि काटोल और नरखेड़ तालुका में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यहां के कई एथलीटों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। इनमें से कई युवाओं को पुलिस विभाग समेत अन्य सरकारी नौकरियों में अवसर भी मिले हैं। ऐसे में क्रीड़ा संकुलों के विकास के लिए स्वीकृत निधि का आवंटन न होना खिलाड़ियों के भविष्य से खिलवाड़ जैसा है।

सलील देशमुख ने बताया कि इस परियोजना की रूपरेखा पूर्व खेल मंत्री सुनील केदार के कार्यकाल में तैयार की गई थी। इसके बाद उन्होंने कई बैठकों के माध्यम से इस प्रस्ताव को पुणे के खेल आयुक्त और मंत्रालय तक पहुंचाया। इसके परिणामस्वरूप तत्कालीन खेल मंत्री संजय बनसोडे ने 8 करोड़ की निधि को मंजूरी दी थी। सलील देशमुख ने आरोप लगाया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद कुछ नेताओं द्वारा इस निधि के आवंटन में बाधा डाली जा रही है। उन्होंने इसे युवा खिलाड़ियों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि यदि जल्द ही यह निधि वितरित नहीं की गई तो स्थानीय खिलाड़ियों का मनोबल टूट सकता है।

खेल मंत्री से की त्वरित कार्रवाई की अपील

सलील देशमुख ने खेल मंत्री दत्तात्रय भरणे से आग्रह किया कि स्वीकृत निधि को जल्द से जल्द जारी किया जाए, ताकि काटोल और नरखेड़ तालुका के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और वे अपने खेल में और बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के कारण खेल विकास कार्यों में रुकावट डालना उचित नहीं है। खिलाड़ियों और स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि सरकार इस मामले को गंभीरता से लेगी और जल्द ही क्रीड़ा संकुल विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाया जाएगा।

कोलार नदी से दिन-दहाड़े रेत चोरी

> ट्रैक्टर से हो रहा खुला उत्खनन

नागपुर.

नागपुर जिले में रोजाना अवैध रेत चोरी के मामले सामने आ रहे हैं। एक वायरल वीडियो में खुलकर दिखाया गया है कि कोलार नदी से ट्रैक्टर द्वारा दिन भर रेत उत्खनन किया जा रहा है। वीडियो में देखा गया कि मंगलवार को दहेगाव रंगारी परिसर से गुजरती कोलार नदी में ट्रैक्टर में रेत भरकर परिवहन किया जा रहा था।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक व्यक्ति ने छिपकर इस अवैध गतिविधि का वीडियो बनाया, जिससे इस मामले की गंभीरता सामने आई है। सावनेर तहसील में डी.वाई.एस.पी मस्के ने अवैध धंधों पर लगाम लगाने में कुछ सफलता हासिल की है, लेकिन कोराडी नागपुर शहर और खापरखेड़ा नागपुर ग्रामीण थाना की हद से भी कोलार नदी से रेत चोरी जारी है।

इसके अलावा, कन्हान नदी में भी रेत चोरी की घटनाएं दर्ज की गई हैं। जगह-जगह रेत चोरी के कारण गड्ढे बन जाते हैं, जिससे आम जनता को रेत उपलब्ध नहीं हो पा रही। इस स्थिति पर जनता ने सवाल उठाते हुए पूछा – "चोरी की रेत कहाँ जा रही है?" पुलिस अधीक्षक हर्ष पोतदार पर आरोप है कि अवैध धंधों पर लगाम लगाने में वह असफल साबित हो रहे हैं। कई पुलिस कर्मचारियों को निलंबित कर अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश की जा रही है, जिससे स्थानीय अपराध शाखा पर भी सवालिया निशान बने हुए हैं। स्थानीय प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि वह इस अवैध रेत चोरी पर कड़ी कार्रवाई करते हुए आम जनता की शिकायतों का शीघ्र समाधान करें।

खापरखेड़ा बिजलीघर में कॉपर ट्यूब चोरी

> दो आरोपी गिरफ्तार

खापरखेड़ा.

खापरखेड़ा बिजलीघर में कॉपर ट्यूब चोरी कर कबाड़ दुकानदारों को बेचने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना गुरुवार को सामने आई, जब बिजलीघर के कनिष्ठ सुरक्षा अधिकारी प्रभुदास शुक्ला की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। खापरखेड़ा बिजलीघर के 210 मेगावाट यूनिट नंबर चार में स्टीम प्रवाहित करने वाली कॉपर ट्यूब लगातार चोरी हो रही थी। इसकी वजह से बिजली उत्पादन ठप हो रहा था। सुरक्षा गार्ड सुभाष गुंरहाकर और नामदेव नवले को इस चोरी की जानकारी मिली, जिसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। मिली जानकारी के अनुसार, यूनाइटेड इंजीनियरिंग कंपनी बिजलीघर में कार्यरत थी, जिसमें प्रमोद दिनेश सूर्यवंशी (सिल्लेवाड़ा

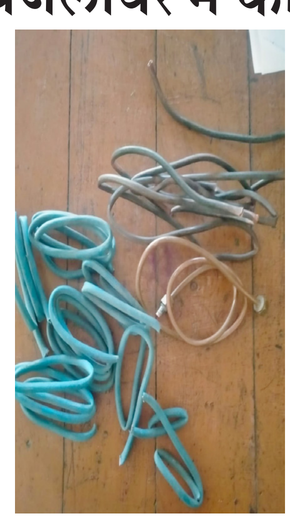

निवासी) अस्थायी रूप से काम कर रहा था। काम खत्म होने के बाद भी वह कॉपर ट्यूब काटकर अपने साथ ले जाता था। पुलिस ने प्रमोद सूर्यवंशी से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने चोरी की बात कबूल कर ली। पूछताछ में पता चला कि खापरखेड़ा निवासी प्रभाकर किल्लेकर भी इस चोरी में शामिल था। आरोपियों ने

खापरखेड़ा और सिलेवाड़ा क्षेत्र के कबाड़ दुकानदारों को ये तांबे की ट्यूबें बेची थीं। खापरखेड़ा पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

नागपुर ग्रामीण क्षेत्र में एसपी द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले

खापरखेड़ा.

नागपुर ग्रामीण क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय की विशेष पुलिस पथक और स्थानीय अपराध शाखा ने अवैध रेती तस्करी और अन्य गैरकानूनी धंधों पर बड़ी कार्रवाई की है। इन अभियानों के दौरान जिन पुलिस बीटों में दो या अधिक बार कार्रवाई हुई, वहां के पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को जिम्मेदार मानते हुए उनके तबादले कर दिए गए हैं।

इस क्रम में चार सहायक पुलिस अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। मौदा थाने के अजीत सिंह देवरे को बूटीबोरी, रामटेक के प्रशांत पाटनकर को खापरखेड़ा, रामटेक के फाल्गुन घोड़मारे को मौदा और बूटीबोरी के प्रशांत लभाने को उमरेड थाने भेजा गया है। इसके अलावा, पुलिस उपनिरीक्षक आरती नरोटे का तबादला खापरखेड़ा से रामटेक और शिवाजी भताने का पारशिवनी से रामटेक कर दिया गया है। पुलिस हवलदारों के तबादले भी किए गए हैं। मौदा थाने के अनिल कोकाटे, असलम नौरंगाबादे और हरीश यांगलवार को क्रमशः देवलापर, बेला और पारशिवनी थानों में भेजा गया है। खापरखेड़ा थाने के श्रीकांत बोरकर को कोंढाली, देवलापार थाने की आशा कुंभरे को बूटीबोरी, रामटेक के योगेश भूरे को नरखेड़ और अरोली थाने के दत्ता बागमरे को मौदा थाने में स्थानांतरित किया गया है। एसपी कार्यालय द्वारा इन तबादलों को आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई बताया गया है, ताकि कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर हुई 40 लाख की ठगी

नागपुर. कलमना पुलिस ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 40 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार फरियादी (32 वर्षीय महिला) मिनीमाता नगर, कलमना निवासी को आरोपी तिलक इंदल शाहु (35 वर्ष, डिप्टी सिग्नल, कलमना निवासी ने 21 जुलाई 2020 से 30 जून 2023 के बीच शेयर बाजार में 10% मुनाफे का लालच देकर 11,10,000 रुपये निवेश करने के लिए लिए थे। शुरुआत में आरोपी ने कुछ मुनाफे की रकम दी, लेकिन बाद में जब शिकायतकर्ता के पति ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने बहाने बनाकर टालमटोल शुरू कर दी। बाद में, ना तो मुनाफा दिया और ना ही निवेश की मूल राशि लौटाई। आरोपी ने इसी तरह 8 अन्य लोगों से भी कुल 40,10,000 रुपये ठग लिए। इस मामले में शिकायतकर्ता ने 13 जनवरी 2025 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

ध्वजारोहण तथा पार्थिव शिवलिंगार्चन

> शिवयोगी दत्ता महाराज के निवास पर आयोजन

उमरेड.

शहर के बुधवारी पेठ स्थित पर विद्यावाचस्पति शिवयोगी दत्ता महाराज के निवास स्थान में शिव शक्ति पीठ सेवा समिति उमरेड की ओर से महाशिवरात्रि पर्व का आयोजन किया गया. इस पर्व के प्रारंभ में अतिथियों ने ध्वजारोहण तथा पार्थिव शिव लिंगार्चन किया. आयोजन में पार्थिव शिव लिंगार्चन, महाकाल आराधना, करुणात्रिपदी, कीर्तन, प्रवचन, महारुद्र स्वाहाकार, अभिषेक पूजा, मंत्र पाठ, नृत्याविष्कार, प्रदोष पूजा, कर्पूर हवन, छप्पन भोग, सव्वा लक्ष बिलवार्चन आदि धार्मिक अनुष्ठान हुए. शहर में महाशिवरात्रि पर निकाली गई शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रही. महाआरती तथा कर्पूरी हवन में बड़ी संख्या श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही. सफलतार्थ शिवयोगी डॉ. दत्ता महाराज के मार्गदर्शन में सुनील बल्लमवार, समीर भोयर, सागर ठाणेकर, अक्षय दुधकवरे, मुकुंदा ठाकरे, अमित बल्लमवार, मुकुंदा जोशी, रोहन विंचुरे, रोहित सोनवाणे, ऋषभ हुमने, सशांत पाटिल, ओम जुमडे, मयूर जुमडे, जय राऊत, चेतन बरणे, चेतन पाटिल, रोशन मदने, दत्तू जिभकाटे, सेवक वाकडे, वैभव गंगणे, जयेश उपाध्याय, संजय टेकाडे, सचिन कावडे, वैभव बोडे, तुषार दंडिकवार, अमोल सिंह भदोरिया, अंकित बेलसरे, सचिन चवडे, वरदा जोशी, श्रद्धा मुंधडा, लीना उपाध्याय, दुर्गा जिभकाटे, वैशाली येनुरकर, वैशाली बांदरे, श्रुति भदौरिया, सुप्रिया विंचुरे, अनिता घ्यानबोनवार, मीना मुंधडा, बेबी मांढरे सहित अन्य सेवक, सेविकाओं ने योगदान दिया.

आजमी पर दर्ज हो देशद्रोह का केस: भाजपा ने सौंपा ज्ञापन

कामठी.

समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष व विधायक अबू आसिम आजमी के मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने और उन्हें महान बताने पर कामठी शहर भाजपा ने कड़ी आलोचना की है और तहसीलदार गणेश जगदाले सहित जूना कामठी थाना में ज्ञापन देकर अबू आसिम आजमी के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि जिसने हमारे महाराज को तकलीफ दी वो कैसे महान हो सकता है. उन्होंने कहा कि सपा नेता की हिम्मत कैसे हुई औरंगजेब की तारीफ करने की। ये महाराज का अपमान है. उनके खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज होना चाहिए. ज्ञापन सौंपते समय भाजपा के राज हाड़ोती, राजेश उर्फ लाला खंडेलवाल, लालसिंग यादव, विनोद संगेवार, दिनेश शरण, कपिल गायधने, मंगेश यादव, प्रभा राउत, नरेश पारवानी, भारती मेश्राम, उज्वल रायबोले, संजय कनोजिया, सुनील खानवानी, प्रमोद वर्णन, प्रमेंद्र यादव, सुनील सिलाम, नरेश कलसे, जितेंद्र खोब्रागड़े, राजश्री घीवले, अक्षय शर्मा, रजत यादव, प्रीतम यादव, जितेंद्र बोरकर, यश कोंडे, अभिलाष यादव, राकेश ठाकुर, राजेश यादव आदि प्रमुखता से मौजुद रहें।

तिडके महाविद्यालय में सहशैक्षणिक पाठ्यक्रम पर कार्यशाला आयोजित

रामटेक.

नरेंद्र तिडके कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, रामटेक के शारीरिक शिक्षा एवं भाषा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शैक्षणिक नीति के तहत सहशैक्षणिक पाठ्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शरद पोकळे ने की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ मार्गदर्शक के रूप में प्रा. अनमोल गंधे, निदेशक, शारीरिक शिक्षा विभाग, नटवरलाल जशभाई पटेल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, मोहाडी, उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान प्रा. अनमोल गंधे ने कहा कि सहशैक्षणिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के व्यापक और समग्र विकास में सहायक होती हैं और यह शैक्षणिक पाठ्यक्रम के पूरक के रूप में कार्य करती हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. विवेक साहू ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. श्रीकांत भोवते ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर डॉ. दिलीप जेना, प्रा. संतोष जाधव, डॉ. मनोज तेलरांधे, प्रा. सुनील कठाणे, प्रा. अमरीश ठाकरे, डॉ. स्वप्निल मनघे, प्रा. गजानन रेवतकर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

उप जिला अस्पताल में निशुल्क रोग निदान

> उपचार शिविर संपन्न

कामठी.

महाराष्ट्र शासन स्वास्थ्य सेवा के नेतृत्व में आज शुक्रवार को उप जिला अस्पताल, कामठी में आयुष्मान भवः अभियान के तहत निशुल्क रोग निदान और उपचार शिविर संपन्न हुआ।

स्वास्थ्य शिविर के तहत कुल 798 लाभार्थियों ने शिविर का लाभ उठाया, जिनमें से 326 पुरुष लाभार्थी और 472 महिला लाभार्थियों की चिकित्सा जांच कर उनका इलाज किया गया। इस प्रकार लाभार्थियों ने सेवा का लाभ उठाया। उप जिला अस्पताल कामठी की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नैना दुफारे मार्गदर्शन में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उचित योजना बनाकर संपन्न किया। साथ ही शिविर के लिए लता मंगेशकर अस्पताल, सीताबरडी, नागपुर की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम ने मरीजों की चिकित्सा जांच कर उनका इलाज किया और शिविर को सफल बनाने में एम.एस. डॉ. नयना दुफारे, सर्जन डॉ. उल्हास मनापुरे, नेत्र सर्जन डॉ. उल्हास मेश्राम, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चौखांदरे, वरिष्ठ एम. ओ. डॉ. प्रशांत डांगोरे, एम.ओ:- डॉ. सारिका जाजुलवार, एम. ओ:- फजाला परवीन, सहायक मेट्रन भारती देशमुख, ओ. एस:- अमोल काले और एस.डी.एच.कामठी के सभी कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उमरेड पुलिस ने अवैध सुगंधित तंबाकू और गुटखा किया जब्त

> तीन आरोपी गिरफ्तार

उमरेड.

पुलिस और लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) ने गुरुवार शाम बायपास चौक पर बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य में प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू और गुटखे की अवैध खेप जब्त की। इस दौरान पुलिस ने तस्करी में शामिल दो आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया, जबकि मुख्य आपूर्तिकर्ता का भी नाम सामने आया है। जब्त माल की कुल कीमत 18.49 लाख रुपए बताई जा रही है।

लोकल क्राइम ब्रांच को गुप्त जानकारी मिली थी कि नागपुर से उमरेड के रास्ते ब्रह्मपुरी की ओर प्रतिबंधित

तंबाकू और गुटखे का अवैध परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर उमरेड पुलिस के सहयोग से बायपास चौक पर नाकाबंदी की गई। शाम करीब 5:30 बजे पुलिस ने संदिग्ध कार (क्रमांक MH-44 S-3838) को रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान चालक की सीट के नीचे बड़ी मात्रा में सुगंधित तंबाकू और गुटखा छिपाकर रखा गया था। इसमें सुगंधित तंबाकू के 1 किलो के 240 पैकेट, ईगल हुक्का ब्रांड के 400 ग्राम के 198 पैकेट, और माजा ब्रांड के 110 छोटे डिब्बे बरामद किए गए। इस अवैध माल की कुल कीमत 4 लाख रुपए आंकी गई है। कार में सवार आरोपियों की पहचान अनुराग गौतम जांभुलकर (28) और मंगेश दिलीप गेडाम (29), दोनों निवासी देलनवड़ी, ब्रह्मपुरी, जिला-चंद्रपुर के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि जब्त किया गया माल रोहित शिवणकर, निवासी तदोड़ी, नागभीड़, जिला-चंद्रपुर का है।

18.49 लाख रुपए का माल जब्त, जांच जारी

इस कार्रवाई में पुलिस ने तंबाकू और गुटखे के साथ इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त किया। कुल जब्त संपत्ति की कीमत ₹18,49,370 बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह प्रतिबंधित तंबाकू और गुटखा कहां से लाया गया था और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

शोरूम में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

> पाचपावली पुलिस की कार्रवाई

नागपुर.

पाचपावली पुलिस ने एक शोरूम में हुई चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से चोरी किया गया माल और वारदात में इस्तेमाल वाहन बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार फरियादी रियाज खान गुलाब खान (26), गीता नगर, मानकापुर निवासी का "गो-बाइक" नामक शोरूम टेका नाका, कामठी रोड में स्थित है। 3 मार्च 2025 की रात 9:10 बजे से 4 मार्च की सुबह 11:00 बजे के बीच अज्ञात चोर ने शोरूम का ताला तोड़कर अंदर घुसकर आयशर कंपनी का कंप्यूटर, एचपी कंपनी का प्रिंटर, कीबोर्ड, माउस, टीसीएल कंपनी का टीवी और इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर चार्जर सहित कुल ₹70,700 का माल चोरी कर लिया। इस संबंध में पाचपावली पुलिस थाने में धारा 305(अ), 331(4) भा.न.सं. के तहत मामला दर्ज किया गया था। पाचपावली पुलिस की जांच टीम ने तकनीकी आधार पर छानबीन

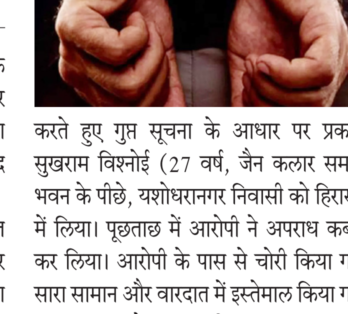

करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर प्रकाश सुखराम विश्नोई (27 वर्ष, जैन कलार समाज भवन के पीछे, यशोधरानगर निवासी को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध कबूल कर लिया। आरोपी के पास से चोरी किया गया सारा सामान और वारदात में इस्तेमाल किया गया मालवाहक अपे वाहन सहित कुल ₹3,20,700 का माल बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

यह कार्रवाई को पुलिस उप आयुक्त (परि. क. 3) महक स्वामी, सहायक पुलिस आयुक्त (लकडगंज विभाग) श्वेता खाडे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक बाबुराव राऊत, दुपोनि हरेश कालसेकर, पोउपनि रंजीत मांजगांवकर, पुलिस हवलदार पवन भटकर, राजेश कोकाटे, पुलिस कर्मचारी ओमप्रकाश बुरडे, शंकर आगले और मनोज चौधरी ने मिलकर की है।

खापरखेड़ा में बनावट पुलिस ने वृद्ध को लूटा

> 20 ग्राम सोना लेकर फरार

खापरखेड़ा.

खापरखेड़ा के मुख्य मार्ग पर रेलवे फाटक के समीप नाग मंदिर के पास एक वृद्ध को अज्ञात व्यक्ति ने पुलिसकर्मी बनकर लूट लिया। यह घटना गुरुवार शाम 6:30 बजे की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भीमराव बागड़े (70) निवासी भानेगांव कुछ सामान खरीदने के लिए खापरखेड़ा आए थे। शाम को जब वह बस स्टॉप पर बस का इंतजार कर रहे थे, तब एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास आया। उसने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए आईडी कार्ड दिखाया और कहा कि हाल ही में इलाके में चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। उसने वृद्ध को समझाया कि वह सोने की चेन और अंगूठी पहनकर घूम रहे हैं, जिससे उनकी जान को खतरा हो सकता है। आरोपी ने वृद्ध से गहने उतारने को कहा और सुरक्षा के नाम पर उन्हें एक कागज में बांध दिया। लेकिन चतुराई से उसने असली गहनों की जगह पत्थरों से भरी पुड़िया वृद्ध की जेब में डाल दी और वहां से फरार हो गया। जब भीमराव बागड़े अपने घर पहुंचे और कागज खोला, तो उसमें सिर्फ पत्थर निकले। तब उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। इसके बाद उन्होंने तुरंत खापरखेड़ा पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। इससे पहले भी खापरखेड़ा में एसबीआई बैंक और होटल एंबेसी के पास ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस ने क्षेत्र के नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है।

राज्य के किसानों ने गारंटी केंद्र से मोड़ा मुह

दूसरी ओर दो लाख टन तुअर खरीद का लक्ष्य

अमरावती.

खुले बाजार में कृषि उत्पादों के दाम गिरने पर गारंटी केंद्रों को किसानों के लिए सहारा माना जाता है। हालांकि, इस साल तुअर के गारंटीड रेट और खुले बाजार के रेट में महज दो 200 रुपये का अंतर है। इसके अलावा नाफेड से खरीदी गई कृषि उपज का देर से भुगतान होने के कारण किसानों ने गारंटी केंद्रों से मुंह मोड़ लिया है।

पूरे राज्य में 12 लाख हेक्टेयर में तुअर की खेती की गयी है। किसानों ने अंतर फसल के रूप में तुअर को पहली प्राथमिकता दी। हालांकि, तुअर की कीमतों में गिरावट आई। इससे किसानों को निराशा हुई है। पिछले साल एक क्विंटल का रेट 11,000 रुपये तक मिल रहा था, लेकिन इस साल यह 7,500 रुपये पर आ गया है। इस साल 12 लाख हेक्टेयर में रोपाई हुई है. इससे दस लाख टन तुअर के उत्पादन का अनुमान लगाया गया. जबकि तुअर की उत्पादन लागत वास्तव में बढ़ गई है. कीमतों में गिरावट ने किसानों के बीच चिंता बढ़ा दी है। तुअर की कीमत गारंटी केंद्र पर 7,550 रुपये प्रति क्विंटल और खुले बाजार में 7,300 रुपये प्रति क्विंटल है। सिर्फ 200 रुपये का अंतर है।

सिर्फ 200 रुपये का अंतर

इसके अलावा तुअर खरीदी देख परख कर की जाती है। इसके कारण किसानों को अन्य कृषि उपज खुले बाजार में बेचनी पड़ती है। उसकी तुलना में 200 रुपये कम मिल रहे हैं लेकिन सारी कृषि उपज खुले बाजार में खरीदी जाने से किसानों ने नाफेड गारंटी केंद्र से मुंह मोड़ लिया है। राज्य भर के विभिन्न केंद्रों पर 25 हजार किसानों ने तुअर बिक्री के लिए पंजीकरण कराया है। किसानों को मैसेज भेज दिए गए हैं. हालांकि, किसानों ने अभी तक केंद्रों पर संपर्क नहीं किया है।

देवेंद्र फडणवीस का अजित पवार को बड़ा झटका

> एनसीपी पदाधिकारी को निकाला

अकोला.

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार अपने घटक दलों को एक के बाद एक झटके दे रही है। अब मुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को एक और बड़ा झटका दिया है। देवेंद्र फडणवीस के गृह विभाग ने राष्ट्रवादी पार्टी अजित पवार गुट के अकोट शहर अध्यक्ष को सीधे तौर पर निष्कासित कर दिया। इस कार्रवाई की राजनीतिक हलकों में व्यापक चर्चा हुई है।

राज्य में महागठबंधन सरकार में प्रमुख घटक दल भाजपा, शिवसेना का शिंदे गुट और राकांपा का अजित पवार गुट हैं। सत्तारूढ़ दलों के बीच अंदरूनी कलह की राजनीति जारी है। अब अकोला जिले का एक मामला दिखाता है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी के अजित पवार गुट को दुविधा में डाल दिया है। अकोट के सहायक पुलिस अधीक्षक एवं उप-विभागीय पुलिस अधिकारी अनमोल मित्तल ने पांच सरायत अपराधियों को एक वर्ष की अवधि के लिए जिले से निर्वासित करने का आदेश जारी किया। इस कार्रवाई में राष्ट्रवादी अजित पवार गुट के अकोट शहर अध्यक्ष जाकिर शाह रशीद शाह को भी निष्कासित कर दिया गया। इससे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है।

अकोला जिला संवेदनशील माना जाता है। अकोट शहर बहुत संवेदनशील है और आपराधिक गतिविधियों का केंद्र भी माना जाता है। पुलिस ने सख्त कदम इसलिए उठाए हैं क्योंकि अपराधियों के खिलाफ बार-बार कार्रवाई के बावजूद उनमें सुधार नहीं आ रहा है। अकोट में पांच सराय मालिकों को बेदखल कर दिया गया। ग्रामीण क्षेत्र से अजमत शाह उर्फ अज्जू तैय्यब शाह (निवासी अडगांव खुर्द), हिवरखेड क्षेत्र से जाकिर शाह रशीद शाह (निवासी अमीनपुरा, अकोट), विजय साहेबरा अंभोरे, लखन साहेबराव अंभोरे (दोनों निवासी राजेंद्र नगर अकोट), अब्दुल वहीद अब्दुल रफीक (निवासी अडगांव) को एक वर्ष के लिए निर्वासित किया गया। अकोला पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि वे आपराधिक प्रक्रिया में भाग लेना जारी रखेंगे तो सीधे एमपीडीए के तहत कार्रवाई की जाएगी।

सत्तारूढ़ पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शहर अध्यक्ष अजित पवार गुट को निष्कासित कर दिया गया है। इस घटना ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त करने का मुद्दा उठाया है और पार्टी की छवि भी धूमिल की है।

गिरड़ शिवार में बाघों की दहशत

उपसरपंच ने वन विभाग से स्थानांतरण की मांग

समुद्रपुर.

मौजा गिरड़ शिवार में पिछले कुछ दिनों से बाघों की दहशत बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में दो से तीन बाघ सक्रिय हैं, जिन्होंने बीते दो महीनों में आठ जानवरों को अपना शिकार बनाया है। इस मामले की पुष्टि वन विभाग द्वारा लगाए गए कैमरों से भी हुई है।

गिरड़ के उपसरपंच मंगेश गिरड़े ने वन विभाग को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि इन बाघों को पकड़कर किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए। उन्होंने बताया कि इन बाघों के कारण किसानों और खेत मजदूरों में भारी डर का माहौल है, जिससे कृषि कार्य ठप पड़ गया है। लोग खेतों में जाने से कतरा रहे हैं, जिससे न केवल फसलों को नुकसान हो रहा है, बल्कि खेतों में रखे सामान को भी क्षति पहुंच रही है। ग्रामीणों को डर है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में मानव जीवन को भी खतरा हो सकता है। इस संबंध में उपसरपंच गिरड़े ने गिरड़ वन विभाग कार्यालय में ज्ञापन देकर वरिष्ठ अधिकारियों से जल्द से जल्द बाघों को पकड़ने और उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है।

ग्रामीणों ने भी वन विभाग से इस मामले को गंभीरता से लेने और तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है।

यथार्थ जनईकर को मिला इसरो यात्रा का सुनहरा अवसर

हिंगनघाट.

नोबल विज्ञान प्रसारक बहुउद्देशीय संस्था भवरलाल कांताबाई जैन ट्रस्ट, जलगांव द्वारा हर साल नोबल साइंस टैलेंट सर्च परीक्षा का आयोजन किया जाता है। यह परीक्षा कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए आयोजित होती है, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को वैज्ञानिक संस्थानों की शैक्षिक यात्रा का अवसर मिलता है। इस वर्ष इस परीक्षा में गुणवत्ता सूची में स्थान पाने वाले 125 विद्यार्थियों को इसरो यात्रा का मौका मिला है। इसमें हिंगणघाट के यथार्थ कौस्तुभ जनईकर का भी चयन हुआ है। यथार्थ, जी.बी. एम.एम. मोहता हाई स्कूल एवं कनिष्ठ महाविद्यालय, हिंगणघाट का छात्र है। वह पूर्व प्राचार्य लतिका बेलेकर का नाती है। यह परीक्षा गणित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आधारित होती है, जिससे विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच और तर्कशक्ति को परखा जाता है। चयनित विद्यार्थी इसरो, आईआईटी, साइंस सिटी, आईआईएम जैसी प्रतिष्ठित संस्थानों की यात्रा करेंगे और वहां वैज्ञानिक शोध और आधुनिक तकनीकों को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर इस यात्रा का आयोजन किया गया है, जिससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित हो सके। यह पहली बार है जब पूरे महाराष्ट्र से एक ही समय में 125 विद्यार्थियों का इस तरह चयन हुआ है।

गिरड़ क्षेत्र में बाघ के बढ़ते हमलों से दहशत, वन विभाग ने किया निरीक्षण

गिरड़.

पिछले दो महीनों से गिरड़ क्षेत्र में एक बाघ और बाघिन अपने तीन शावकों के साथ घूम रहे हैं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। इस दौरान अब तक 8 जानवरों की मौत हो चुकी है, जिससे किसानों और खेत मजदूरों में भय व्याप्त है। इस स्थिति को देखते हुए वन विभाग हरकत में आ गया है।

उप वन संरक्षक हरवीर सिंह के मार्गदर्शन में सहायक वन संरक्षक अमरजीत पवार और वन परिक्षेत्र अधिकारी निलेश गावंडे ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद गिरड़ और पेठ शेतकरी शिवारा के किसानों के साथ वन विभाग कार्यालय में बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना। बैठक में मोहगांव ग्राम पंचायत के सरपंच विलास नवघरे, रवि गाठे, मोहन गिरड़े और मंगेश गिरड़े सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक में किसानों ने वन अधिकारियों से सवाल किया कि बाघ के डर से वे अपनी खेती का काम कैसे करें। इस पर सहायक वन संरक्षक अमरजीत पवार ने आश्वासन दिया कि बाघ को जंगल की ओर खदेड़ने के लिए जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। वन परिक्षेत्र अधिकारी नीलेश गावंडे ने बताया कि जंगल के आसपास के 500 किसानों को 25% छूट पर सौर बैटरियां वितरित की जाएंगी, जिससे वे खेतों में रोशनी की व्यवस्था कर सकें और बाघ के खतरे से बचाव हो सके।

भारत विद्यालय की वेदिका मुले ने जिला स्तर पर किया गौरव प्राप्त

हिंगनघाट.

मराठी भाषा विभाग, महाराष्ट्र शासन, जिल्हाधिकारी कार्यालय वर्धा और माध्यमिक शिक्षा विभाग, जिला परिषद वर्धा के संयुक्त विद्यमान से मराठी भाषा गौरव दिन के उपलक्ष्य में जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए वक्तृत्व, निबंध, पुस्तक समीक्षा व अभिप्राय लेखन जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के वक्तृत्व स्पर्धा (भाषण प्रतियोगिता) में भारत विद्यालय, हिंगणघाट की छात्रा वेदिका राजकुमार मुले (कक्षा 8वीं) ने माध्यमिक गट में जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय और शहर का नाम रोशन किया। दिनांक 4 मार्च 2025 को श्री शिवशंकर सभागृह, अग्निहोत्री कॉलेज कैंपस, वर्धा में आयोजित कार्यक्रम में जिला परिषद वर्धा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जितीन रहेमान, माध्यमिक शिक्षा अधिकारी मनीषा भडंग, प्राथमिक शिक्षा अधिकारी नीतू गावंडे और शंकरप्रसाद अग्निहोत्री की उपस्थिति में वेदिका मुले को पारितोषिक, प्रमाणपत्र व सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वेदिका की इस उपलब्धि पर प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष गोकुलदासजी राठी, उपाध्यक्ष श्याम भिमनवार, सचिव रमेशजी धारकर, मुख्याध्यापक हरीश भट्टड़, उपमुख्याध्यापक किशोर चवरे, पर्यवेक्षिका निलाक्षी बुरीले, पर्यवेक्षिका मनीषा कोंडावार और सभी शिक्षकों ने उसे बधाई दी।

100 क्षय रोगियों को पोषण आहार किट का वितरण

हिंगनघाट.

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत क्षय रोगियों को पोषण सहायता प्रदान करने और मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से धर्मार्थ संस्थाओं को "निक्षय मित्र" (तपेदिक के मित्र) के रूप में कार्य करने की चुनौती दी गई थी। इस अभियान के अंतर्गत इनर व्हील क्लब के सहयोग से चंद्रकांत कटारिया और किरण मुनोत के माध्यम से 100 तपेदिक रोगियों को पौष्टिक भोजन किट वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उप-जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रवीण मिसर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हेमंत पाटिल, तालुका स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर नाइक, इनर व्हील अध्यक्ष डॉ. रूपल कोठारी, चंद्रकांत कटारिया एवं इनर व्हील के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इसके अलावा, डॉ. हर्षवर्धन देशपांडे, डॉ. विशाल रुइकर, डॉ. हेमंत गोल्हार भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम का संचालन सचिन खंडार ने किया, जबकि अजय बाकड़े ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन को सफल बनाने में टीबी विभाग के एसटीएस मनोज वरभे, पुरुषोत्तम नंदुरकर, उमेश मेश्राम, प्रशांत जंगथे, अजय लीडबे और सिद्धार्थ बहाडे ने कड़ी मेहनत की। यह पहल टीबी रोगियों को पोषण सहायता देकर उनके उपचार को प्रभावी बनाने और उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कपास किसानों के साथ सीसीआई ग्रेडर्स कर रहे धोखाधड़ी

अमरावती.

कपास विदर्भ में उगाई जाने वाली मुख्य फसल है। लेकिन अब किसानों ने आरोप लगाया है कि अमरावती जिले के कपास किसानों को सीसीआई के ग्रेडर्स यानी सरकारी खरीददारों द्वारा ठगा जा रहा है।

अमरावती जिले की वरुड तहसील के धागा में सीसीआई के माध्यम से कपास खरीद रही है। हालाँकि, जब किसान सीसीआई केंद्र में कपास लाते हैं, उसके बाद उनकी कपास की ग्रेडिंग की जाती है. सरकार की गाइडलाइन में है कि उस समय सरकारी नियमानुसार 34.2 लिंट कपास खरीदी जानी चाहिए। लेकिन सीसीआई द्वारा नियुक्त ग्रेडर अधिकारी किसानों से 36 लिंट की कपास ग्रेडिंग मांग रहा है और यदि 36 लिंट का कपास उपलब्ध नहीं है, तो कपास को सीसीआई केंद्र से वापस भेजा जा रहा है। साथ ही सीसीसाई केंद्र पर प्रति क्विंटल कपास के वजन पर दो किलो अतिरिक्त कपास लेकर किसानों के साथ एक तरह से धोखाधड़ी की जा रही है। ऐसा आरोप किसानों ने लगाया है।

> सोशल मीडिया से बढ़ता अपराध

माता-पिता की अनदेखी पड़ सकती है भारी

वर्धा. आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम बन चुका है, लेकिन गलत दिशा में जाने पर यह युवाओं के भविष्य को अंधकारमय भी बना सकता है।

हाल ही में स्थानीय पुलिस प्रशासन और साइबर सेल की जांच में सामने आया है कि कई किशोर सोशल मीडिया पर ऐसी गतिविधियों में संलिप्त हो रहे हैं, जो अपराध की ओर बढ़ने का संकेत देती हैं। प्रशासन ने अभिभावकों को सचेत करते हुए एक सूचना जारी की है, जिसमें बताया गया है कि कुछ बच्चे समाज में अशांति और नकारात्मक प्रवृत्तियों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जांच में यह भी पाया गया कि कुछ किशोर सोशल मीडिया पर ऐसे आपत्तिजनक पोस्ट साझा कर रहे हैं, जिससे समाज में वैमनस्य फैल सकता है।

ट्रक की टक्कर से 11 साल की बच्ची की मौत

> पिता और सहपाठी गंभीर रूप से घायल

> भंडारा तुमसर राजमार्ग पर रास्ता रोको आंदोलन

भंडारा.

जिले के वरठी में एक ट्यूशन पढ़कर गांव लौट रही एक दुपहिया वाहन को सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी, जिसमें पिता, बेटी और बच्ची का सहपाठी गंभीर रूप से घायल हो गए. इस हादसे में 11 साल की बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई. यह घटना वरठी में रात के समय घटी.

एकलारी के विजय सेलोकर बच्चों की ट्यूशन पूरी होने के बाद अपने दोपहिया वाहन पर लौट रहे थे. तभी सैनफ्लैग ओवर ब्रिज पर एक सामने से आ रहे ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में वो और दोनों बच्चे घायल हो गए. उनकी 11 वर्षीय बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई. हादसे के बाद हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। आज वरठी और एकलारी ग्रामीणों की ओर से भंडारा तुमसर हाईवे पर जाम आंदोलन किया जा रहा है. ग्रामीणों के कहना है कि जिले में बालू माफिया बढ़ गये हैं और बालू ट्रकों से हो रही दुर्घटना में कई लोगों की जान जा चुकी है. लेकिन राजस्व प्रशासन अवैध बालू ट्रकों पर कोई कार्रवाई करता नजर नहीं आ रहा है.

अमरावती से मुंबई के लिए हवाई यात्रा जल्द होगी शुरू

अमरावती.

पिछले कई महीनों से चर्चा में रहा अमरावती एयरपोर्ट अब लगभग बनकर तैयार हो चुका है और जल्द ही यानी एक महीने के अंदर इस एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट उड़ान भरने की संभावना है। हाल ही में इस हवाई अड्डे पर एयर कैलिब्रेशन ऑफ प्रिसिजन अप्रोच पाथ इंडिकेटर (पीएपीआई) परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इससे अमरावती निवासियों के लिए हवाई मार्ग से मुंबई जाने का रास्ता साफ हो गया है। अमरावती हवाई अड्डे से उड़ानें संचालित करने के लिए डीजीसीए से अनुमति मांगी गई है। यह अनुमति मिलने के बाद यहां से नियमित उड़ानें शुरू हो जाएंगी। इस बीच अमरावती हवाई अड्डा खुलने के बाद इस क्षेत्र में उद्योग और रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है।

अमरावती हवाई अड्डे को 'बेलोरा हवाई अड्डा' के नाम से भी जाना जाता है। यह हवाई अड्डा अमरावती शहर से लगभग 15 किलोमीटर दक्षिण में बेलोरा में बनाया गया है । इस हवाई अड्डे का विकास महाराष्ट्र हवाई अड्डा विकास कंपनी (एमएडीसी) के माध्यम से किया गया है।

जब यह हवाई अड्डा पूरी तरह से चालू हो जाएगा तो यह नागपुर और गोंदिया के बाद विदर्भ में वाणिज्यिक उपयोग वाला तीसरा हवाई अड्डा होगा। अमरावती हवाई अड्डा 389 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाया गया है। इस हवाई अड्डे का रनवे 1,850 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा है। इस हवाई अड्डे पर टर्मिनस भवन 2,600 वर्ग मीटर भूमि पर बनाया गया है। हवाई अड्डे के लिए टैक्सीवे का आकार 163 गुणा 18 मीटर होगा तथा एप्रन का आकार 100 गुणा 110 मीटर होगा। एमएडीसी ने हाल ही में बताया है कि अंशांकन परिशुद्धता परीक्षण सफल रहा। इस प्रणाली का उपयोग मुख्य रूप से विमान लैंडिंग के दौरान पायलट को मार्गदर्शन देने के लिए किया जाता है।

वर्तमान में हवाई अड्डे पर प्रयुक्त प्रणाली से 72 सीटों वाला विमान इस हवाई अड्डे से उड़ान भर सकेगा। इसके अलावा, हवाई अड्डे पर वायु यातायात नियंत्रण (एटीसी), टर्मिनल भवन और रनवे का काम भी पूरा हो चुका है।

यह हवाई अड्डा वास्तव में कब खुल सकता है?

इस बीच, हवाई अड्डे पर परीक्षण लगभग पूरा हो चुका है और उड़ान की अनुमति के लिए डीजीसीए को आवेदन दिया गया है। संभावना है कि डीजीसीए से अनुमति मिलने के बाद अगले कुछ दिनों में संबंधित एयरलाइंस द्वारा इस हवाई अड्डे से सुविधाएं शुरू कर दी जाएंगी। उम्मीद है कि यह काम अगले महीने के भीतर पूरा हो जाएगा। यह हवाई अड्डा अमरावती के आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक विकास को सक्षम करेगा।

दारव्हा स्थानक की एसटी बस पलटी, 12 यात्री हुए घायल

यवतमाल.

दारव्हा तहसील में से ब्रम्हनाथ रोड पर दारव्हा स्थानक की एसटी बस पलटने से हादसा हो गया. इस हादसे में 12 यात्री मामूली रूप से घायल हुए हैं और एसटी बस क्षतिग्रस्त हुई. यह एसटी बस यात्रियों को दारव्हा से लेकर जा रही थी. शाम 7:30 बजे अंतरगांव और दोल्हारी देवी के बीच हादसा हो गया. सड़क सही न होने के कारण बस नाले में जा गिरी. हादसे में 12 यात्रियों को मामूली चोटें आईं. हालांकि, हादसे में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने दारव्हा स्थानक प्रबंधक को सूचना दी. इस दुर्घटना में घायल यात्रियों को प्राथमिक इलाज के लिए दारव्हा उपजिला अस्पताल भेजा गया है.

अकोट शहर और तहसील से पांच कुख्यात अपराधी एक साल के लिए तड़ीपार

> अपराधियों में अजित पवार गुट के अकोट शहर अध्यक्ष का भी समावेश

अकोला.

सहायक पुलिस अधीक्षक और अकोट उपविभागीय पुलिस अधिकारी अनमोल मित्तल ने पांच कुख्यात अपराधियों को एक वर्ष की अवधि के लिए जिले से तड़ीपार करने का आदेश जारी किया है। जिन आरोपियों पर मुकदमा चलाया गया है उनमें राष्ट्रवादी अजित पवार गुट के अकोट शहर अध्यक्ष जाकिर शाह रशीद शाह भी शामिल हैं।

अकोट शहर सहित तहसील संवेदनशील लिस्ट में दर्ज है. अकोट के सहायक पुलिस अधीक्षक और उपविभागीय पुलिस अधिकारी अनमोल मित्तल ने तहसील और ग्राम स्तर पर अत्याचार करके आम लोगों को परेशान करने और सामाजिक स्वास्थ्य को खराब करने वाले अपराधियों को बाहर निकालने के लिए बाहरी कानून का स्तर बढ़ाया है। जिला पुलिस अधीक्षक बच्चन सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक और उपविभागीय पुलिस अधिकारी अनमोल मित्तल ने अकोट और तेलहारा तहसील में अपराध करने वाले और पुलिस कार्रवाई का विरोध करने वाले सराय मालिकों के खिलाफ भविष्य में 'एमपीडीए' के तहत सीधी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। मित्तल ने ऐसे अपराधियों की कुंडली जुटा ली है और उनको सबक सिखाने का हथियार उठा लिया है।

शुभांक		
श्रीदेवी	378-8	180-9
श्रीदेवी नाईट	256-3	900-9

परस्पर सहयोग की भावना से आगे बढ़ सकते

स्मिता महल्ले, अध्यक्षा, अनंत फाउंडेशन, नागपुर

आज सबसे ज्यादा महिला सशक्तिकरण की बातें होंगी। लेकिन महिला सशक्तीकरण क्या है यह कोई नहीं जानता। महिला सशक्तीकरण एक विवेकपूर्ण प्रक्रिया है। हमने अति महत्वाकांक्षा को सशक्तिकरण मान लिया है। मुझे लगता है महिला दिवस का औचित्य तब तक प्रमाणित नहीं होता जब तक कि सच्चे अर्थों में महिलाओं की दशा नहीं सुधरती। महिला नीति है लेकिन क्या उसका क्रियान्वयन गंभीरता से हो रहा है। यह देखा जाना चाहिए कि क्या उन्हें उनके अधिकार प्राप्त हो रहे हैं। वास्तविक सशक्तीकरण तो तभी होगा जब महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होंगी। और उनमें कुछ करने का आत्मविश्वास जागेगा। यह महत्वपूर्ण है कि महिला दिवस का आयोजन सिर्फनमस्कार, महिला दिवस की शुभकामनाएं। रस्म अदायगी भर नहीं रह जाए। वैसे यह शुभ संकेत है कि महिलाओं में अधिकारों के प्रति समझ विकसित हुई है। अपनी शक्ति को स्वयं समझकर, जागृति आने से ही महिला घरेलू अत्याचारों से निजात पा सकती है। कामकाजी महिलाएं अपने उत्पीड़न से छुटकारा पा सकती हैं तभी महिला दिवस की सार्थकता सिद्ध होगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वर्तमान में यदि खुले मन से आकलन करें तो पाते हैं कि महिलाओं को मिले सम्मान के उपरांत भी वे दो भागों में विभक्त हैं। एक तरफ एकदम से दबी, कुचली, अशिक्षित और पिछड़ी महिलाएं हैं तो दूसरी तरफ प्रगति पथ पर अग्रसर महिलाएं। कई मामलों में तो पुरुषों से भी आगे नई ऊंचाइयां छूती महिलाएं हैं। जहां एक तरफ महिलाओं के शोषण, कुपोषण और कष्टप्रद जीवन के लिए पुरुष प्रधान समाज को जिम्मेदार ठहराया जाता है, वहीं यह भी कटु सत्य है कि महिलाएं भी महिलाओं के पिछड़ने के लिए जिम्मेदार हैं। यह भी सच है कि महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों ने ही स्त्री शक्ति को अधिक सहज होकर स्वीकार किया है, न सिर्फ स्वीकार किया अपितु उचित सम्मान भी दिया, जिसकी कि वह वास्तविक हकदार भी है। सकारात्मक दृष्टि से देखें तो हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ी हैं फिर भी अभी महिला उत्थान के लिए काफी कुछ किया जाना शेष है। देखा जाए तो पुरुष स्वयं भी कई समस्याओं से ग्रस्त हैं, खासकर बेरोजगारी की समस्या से। और इसीलिए महिला-पुरुष एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं होते हुए परस्पर सहयोग की भावना से बराबरी से आगे बढ़ सकते हैं। तभी सामाजिक ढांचा और राष्ट्र भी सुदृढ़ बनेगा। हमें अपने लिए सिर्फ इतनी सी बात समझनी है कि अपनी प्रतिभा, दक्षता, क्षमता, अभिरुचि और रुझान को पहचानना है, ईश्वर ने हमें जिन गुणों से नवाजा है उन्हें निखारना है। हर काम को प्रसन्नता से करें अपनी क्षमता का पूरा उपयोग करें। विश्व महिला दिवस पर शुभकामना!

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना जरूरी: एडवोकेट शेरेकर

महिलाओं का आत्मनिर्भर और शिक्षित होना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। महात्मा गांधी का कहना था कि यदि एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए एडवोकेट रोशनी शेरेकर ने कहा कि महिलाओं को खुद को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। उन्होंने महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी उम्र, वर्ग या जाति की महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। इनमें हत्या, अत्याचार, बलात्कार, छेड़छाड़, बालहत्या और घरेलू हिंसा जैसी घटनाएं शामिल हैं। हर साल भारत में महिलाओं पर हो रहे अपराधों की संख्या बढ़ रही है, जिसे रोकना बेहद जरूरी है। एडवोकेट रोशनी शेरेकर ने समाज से अपील करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ानी होगी। कानून के तहत महिलाओं को न्याय और सुरक्षा दिलाने के लिए समाज को एकजुट होना होगा। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे हर चुनौती का सामना कर सकें और अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय को मिली पहली महिला कुलपति

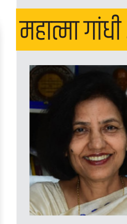

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा को आज पहली महिला कुलपति मिली। प्रसिद्ध साहित्यकार, आलोचक और मीडिया विशेषज्ञ प्रोफेसर कुमुद शर्मा ने शुक्रवार, 07 मार्च 2025 को विश्वविद्यालय के कुलपति पद का पदभार ग्रहण किया। उनकी नियुक्ति भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा 06 मार्च 2025 को जारी आदेश के तहत हुई है। वे अगले पांच वर्षों तक इस पद पर कार्यरत रहेंगी। कुलपति कक्ष में कार्यवाहक कुलपति प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने उन्हें विधिवत पदभार सौंपा। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष और निदेशक गण मौजूद रहे। पदभार संभालने के तुरंत बाद प्रो. कुमुद शर्मा ने अधिकारियों और शिक्षकों के साथ बैठक कर शैक्षणिक और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की।अपना पदभार ग्रहण करने के बाद प्रो. कुमुद शर्मा ने विश्वविद्यालय के सभी प्रमुख पदाधिकारियों से मुलाकात कर संस्थान की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक और शोध गतिविधियों का अवलोकन किया और आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा, प्रयागराज, कोलकाता और रिद्धपुर स्थित विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुखों से भी संवाद कर उनकी शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी ली। प्रो. कुमुद शर्मा इससे पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष रही हैं। वे विभिन्न महाविद्यालयों की प्रबंध समितियों की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से "नई कविता में राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप विकास" विषय पर पीएचडी. (1985) और रांची विश्वविद्यालय से "भूमंडलीकरण: भारतीय मीडिया का बदलता परिदृश्य" विषय पर डी.लिट. (2002) की उपाधि प्राप्त कर चुकी हैं। वे आधुनिक साहित्य, स्त्री विमर्श और मीडिया अनुसंधान में विशेष रुचि रखती हैं। उनके मार्गदर्शन में कई शोधार्थियों ने एम.फिल. और पीएचडी. पूरी की है। प्रो. कुमुद शर्मा की लेखनी भी अत्यंत समृद्ध रही है। उनकी चर्चित पुस्तकों में "भारतीय साहित्य के निर्माता: अंबिका प्रसाद बाजपेयी", "समाचार बाज़ार की नैतिकता", "आधी दुनिया का सच", "हिंदी के निर्माता", "विज्ञापन की दुनिया", "जनसंपर्क प्रबंधन" और "भूमंडलीकरण और मीडिया" शामिल हैं। उन्हें भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा भारतेंदु हरिश्चंद्र सम्मान (2002 और 2009-10), दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन द्वारा साहित्य सम्मान, प्रेमचंद रचनात्मक लेखन पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया है। शैक्षणिक और साहित्यिक क्षेत्र के अलावा, प्रो. कुमुद शर्मा ने विभिन्न सरकारी समितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे नागरी उड्डयन मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, खनन मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, प्रसार भारती और एनसीईआरटी जैसी संस्थाओं में सलाहकार और सदस्य के रूप में कार्य कर चुकी हैं। महिला दिवस से ठीक एक दिन पहले विश्वविद्यालय को पहली महिला कुलपति मिलने पर संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। सभी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को छुएगा और हिंदी भाषा, साहित्य और अनुसंधान को वैश्विक स्तर पर सशक्त बनाएगा।

समानता के लिए सामाजिक और राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी: डॉ. स्नेहल फड़नवीस

लैंगिक समानता केवल पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रतिस्पर्धा का विषय नहीं है, बल्कि वे एक-दूसरे के पूरक हैं। हालांकि, समाज में इस समानता को पूरी तरह से महसूस करना आसान नहीं है, क्योंकि लैंगिक भेदभाव पारिवारिक व्यवस्था में गहरी जड़ें जमा चुका है। महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा के लिए कई कानून बनाए गए हैं, लेकिन केवल कानूनों के सहारे समाज में बदलाव नहीं लाया जा सकता। इसके लिए एक मजबूत सामाजिक और राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। आज की नारी परिवार और समाज में अनेक भूमिकाएँ निभा रही है। घरेलू जिम्मेदारियों से लेकर पेशेवर जीवन तक, वह हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। हालांकि, इस बहुआयामी भूमिका के कारण महिलाओं को शारीरिक और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है, जो उनके समग्र विकास को प्रभावित करता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हमें इस महत्वपूर्ण विषय पर विचार करने की आवश्यकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि महिलाओं के समग्र विकास में किया गया निवेश निश्चित रूप से देश के विकास की दिशा तय करेगा। डॉ. स्नेहल फड़नवीस, प्राचार्य, स्व. गोविंदराव वंजारी लॉ कॉलेज, नागपुर.

हर नारी का हो सम्मान, यही है विकास की पहचान

8 मार्च को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सिर्फ एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह महिलाओं की उपलब्धियों, संघर्षों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता का प्रतीक है।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि एक सशक्त नारी ही सशक्त समाज की नींव रखती है। आज महिलाएं विज्ञान, राजनीति, खेल, कला, रक्षा और उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं।

'हर नारी सब पर भारी'

नागपुर मेट्रो समाचार की ओर से में जौर्नालिस्ट पल्लवी की तरफ से आप सभी को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

महान महिलाओं की प्रेरणादायक गाथाएं: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हमें उन वीरांगनाओं को भी याद करना चाहिए, जिन्होंने समाज और देश के लिए अतुलनीय योगदान दिया। रानी लक्ष्मीबाई (1828-1858) – 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ वीरतापूर्वक युद्ध लड़ा। सावित्रीबाई फुले (1831-1897) – भारत की पहली महिला, शिक्षिका, जिन्होंने महिलाओं और दलितों को शिक्षा देने के लिए स्कूल खोले। सरोजिनी नायडू (1879-1949) – 'नाइटिंगेल ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और महिला सशक्तिकरण की समर्थक। कल्पना चावला (1961-2003) – अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय महिला, जिन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन किया। इंदिरा गांधी (1917-1984) – भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री, जिन्होंने देश को मजबूत नेतृत्व दिया। मैरी कॉम – विश्व चैंपियन बॉक्सर, जिन्होंने महिलाओं को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इन महान महिलाओं की गाथाएँ यह साबित करती हैं कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं।

बावजूद इसके, समाज में लैंगिक असमानता, घरेलू हिंसा और कार्यस्थलों पर भेदभाव जैसी चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं। सशक्तिकरण का अर्थ केवल अधिकार देना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना भी है, जिसमें महिलाएं निर्भय होकर अपने सपनों को साकार कर सकें। महिला सशक्तिकरण तभी संभव है जब शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समान अवसरों पर ध्यान दिया जाए। सरकार और समाज को मिलकर ऐसा ढांचा तैयार करना होगा, जहाँ महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनें, बल्कि आत्मनिर्भर और आत्मसम्मान से भरपूर जीवन भी जी सकें। इसमें पुरुषों की भागीदारी भी अहम भूमिका निभाती है।

जब पुरुष महिलाओं के साथ समानता का व्यवहार करेंगे और उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता देंगे, तभी सही मायनों में महिला सशक्तिकरण होगा। इस महिला दिवस पर हमें केवल महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न नहीं मनाना चाहिए, बल्कि यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हर दिन उन्हें समान अवसर और सम्मान देने के लिए प्रयासरत रहेंगे। जब समाज में हर महिला सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त होगी, तभी वास्तविक प्रगति संभव होगी।

महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण का दिन: भाग्यश्री सहारे

नागपुर मेट्रो समाचार की ओर से में भाग्यश्री संदीप सहारे की तरफ से आप सभी को महिला दिन की हार्दिक शुभकामनाएं! महिला दिवस हर साल इसी दिन 8 मार्च को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों और उनके योगदान को मान्यता देना है। यह दिन दुनियाभर में महिलाओं के अधिकारों, समानता और उनकी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए काम करने के लिए समर्पित है। इस विशेष दिन पर हम सभी को महिलाओं के अद्वितीय संघर्ष, मेहनत और समर्पण को सराहने का मौका मिलता है। भाग्यश्री संदीप सहारे और नागपुर मेट्रो समाचार की ओर से हम सभी महिलाओं को उनके योगदान के लिए धन्यवाद और हार्दिक शुभकामनाएँ देते हैं। सभी महिलाओं को इस दिन की ढेर सारी शुभकामनाएं और उनके हर कदम में सफलता और खुशी की कामना करते हैं! महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में कमी लाने और उनकी सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। इन प्रयासों का उद्देश्य महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों को रोकना और उन्हें समाज में समान अधिकार दिलाना है। आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा में सुधार लाने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार ने प्रमुख योजनाएं भी तैयार की है.जैसे "महाराष्ट्र सरकार ने 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' शुरू की, जिसके तहत महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। दिल्ली सरकार ने 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' लागू की, जिसमें महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता मिलती है। ओडिशा सरकार ने 'सुभद्रा योजना' के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठाए।आयुष्मान भारत योजना का विस्तार कर महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य बीमा सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा में सुधार होगा। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक और स्वास्थ्य स्थिति को मजबूत करना है। इन सभी प्रयासों के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा दिखाई है। सरकार और समाज के संयुक्त प्रयासों से महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और समान वातावरण का निर्माण संभव हो सकेगा।

इन बीसीएन और नागपुर मेट्रो समाचार की महिला कर्मचारियों की ओर से महिला दिन की हार्दिक शुभेच्छा...

सावरवानी की महिलाओं ने घी बिक्री में बनाया अनूठा रिकॉर्ड

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा संचालित ग्रामीण होम स्टे योजना ने गांवों में स्वरोजगार के नए द्वार खोल दिए हैं, जिससे महिलाओं को भी बड़ा फायदा मिल रहा है। पर्यटन ग्राम सावरवानी की महिलाओं ने इस योजना के तहत शुद्ध देशी घी बेचकर एक अनूठा कीर्तिमान स्थापित किया है। बीते दो सालों में यहां 1350 किलो घी पर्यटकों को बेचा गया, जिससे गांव को करीब 11 लाख रुपए की आमदनी हुई। सावरवानी गांव में महिलाएं अपने घर में दूध से मक्खन निकालकर घी तैयार करती हैं और इसे पर्यटकों के सामने ही पारंपरिक विधि से बनाकर बेचती हैं। इस शुद्ध और

देसी प्रक्रिया को देखकर पर्यटक भी खासा उत्साहित होते हैं। यही कारण है कि यहां का घी देश-विदेश तक मशहूर हो गया है। कई बार ऐसा भी हुआ कि पर्यटकों ने गांव में उपलब्ध पूरा घी खरीद लिया। गांव की चंद्रा बाई, शांति बाई, शारदा बाई, सरस्वती बाई, सिमिया बाई, राधा बाई, कला बाई सहित अन्य महिलाओं ने घी की बिक्री से 11 लाख रुपए की कमाई की है। 800 रुपए प्रति किलो की दर से बिके इस घी की कुल कीमत 10 लाख 80 हजार रुपए होती है। यहां की महिलाएं सिर्फ घी ही नहीं, बल्कि जैविक खेती के माध्यम से दाल, सब्जियां, पपीते, लकड़ी के खिलौने और अन्य उत्पाद भी बेच रही हैं। इससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। छिंदवाड़ा जिले के पर्यटन ग्रामों में महिला सशक्तिकरण के कई शानदार उदाहरण देखने को मिल रहे हैं। खास बात यह है कि यहां के सावरवानी, चिमटीपुर और घटलिंगा गांवों में सभी होम स्टे महिलाओं के नाम पर पंजीकृत हैं।

महिला दिवस पर उत्कृष्ट महिलाओं को निर्धार महिला पुरस्कार आज

ड्रैगन पैलेस में पुलिस उपायुक्त रश्मिता राव रहेंगी उद्घाटक

दादासाहेब कुंभारे परिसर, ड्रैगन पैलेस टेंपल कैंपस में विश्व महिला दिवस कार्यक्रम महिला व बाल विकास समिति की अध्यक्ष, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की पूर्व सदस्य व महाराष्ट्र शासन की पूर्व राज्यमंत्री एड.सुलेखा कुंभारे की अध्यक्षता में आज शनिवार को सुबह 11बजे मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम की उद्घाटक पुलिस उपायुक्त रश्मिता राव रहेंगी ज्ञात हो कि प्रतिवर्ष की तरह विश्व महिला दिवस पर एमटीडीसी सभागृह में निर्धार व महिला बाल कल्याण समिति नागपुर द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठ कार्य करने वाली महिलाओं को पुलिस उपायुक्त रश्मिता राव के हस्ते निर्धार महिला पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वहीं इस कार्यक्रम में ज्योति चंद्रशेखर बावनकुले, स्नेहलता दाते, रोशनी सिद्धार्थ गायकवाड़, डॉ. अफ़रोज़ हनीफ शेख, विद्या भीमटे, ब्रह्माकुमारी प्रेमलता दीदी प्रमुखता से उपस्थित रह कर मार्गदर्शन करेंगी। ज्ञात हो कि जिन महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है, उन्हें "निर्धार महिला पुरस्कार " प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। जिनमें, सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए नंदनी पिंपलापुरे, राजनीतिक क्षेत्र कार्य के लिए पूर्व महापौर अर्चना डेहनकर, साहित्य क्षेत्र में कार्य के लिए मालती साखरे, शैक्षणिक क्षेत्र में कार्य के लिए डॉ. नुसरत मिन्नो, क्रीड़ा क्षेत्र में कार्य के लिए रहनुमा आलम, औद्योगिक क्षेत्र में कार्य के लिए रीटा जैन, वैद्यकीय क्षेत्र में कार्य के लिए डॉ. शिल्पी जौहरे प्रमुखता से शामिल हैं। साथ ही इस अवसर पर, "पाखरांनो या परतून या" यह पथ नाट्य कामठी महिला द्वारा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। "सुरक्षित नारी सुरक्षित भारत" यह संकल्प किया गया है।

महिला सफाई कर्मचारियों का किया सम्मान

साड़ी एवं स्टॉल देकर 25 महिलाओं को किया गया सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रोटरेक्ट क्लब एवं इनरव्हील क्लब द्वारा 2 से 8 मार्च के बीच महिला दिवस सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं, जिन्होंने समाज में अपने कार्य के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, को सम्मानित किया जा रहा है। इसी कड़ी में, 7 मार्च को स्थानीय कारंजा चौक पर क्लब द्वारा महिला सफाई कर्मचारियों को साड़ी एवं स्टॉल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शहर को स्वच्छ बनाए रखने में इन महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की गई। इस मौके पर रोटरेक्ट क्लब के प्रेसिडेंट निकुंज मूंधड़ा, सेक्रेटरी ऋचा पालीवाल, इनरव्हील क्लब की प्रेसिडेंट डॉ. रूपल कोठारी, सेक्रेटरी सारिका डोंगरे, दोनों क्लबों के सदस्य एवं रोटरी क्लब के सदस्य भी उपस्थित रहे।

पवित्र महीना 'माहे रमज़ान' विशेष

रोज़ेदारों को रमज़ानुल मुबारक के स्वर्णिम अवसर को बर्बाद नहीं करना चाहिए

एक दूसरे की इबादतों और इफ़्तार के लेन देन में समय का ध्यान रखना चाहिए

डॉ.एम.ए.रशीद, नागपुर

रोज़े रखने का मुख्य उद्देश्य है कि रोज़ेदार के चाल-चरित्र में विशेष परिवर्तन आ जाए। सहनशीलता की क्षमता के साथ काम काज करने की शक्ति भी बढ़ जाए। आराम विश्राम के समय कम हो जाएं और इबादतों में व्यस्तता, मसरुफ़ियत का हिस्सा बहुत ज़्यादा हो जाए। रोज़े से रहें लेकिन रोज़ जेसे न रहें। अक्ल का तकाज़ा है कि हम रोज़ों के मुख्य उद्देश्यों को न भूलें।

हमें रमज़ानुल मुबारक का आयोजन करते समय रमज़ान के सम्मान को ध्यान में रखना चाहिए। इसकी इबादतों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। ऐसा देखा जाता है कि रमज़ानुल मुबारक की शुरुआत से ही महिलाओं की दिनचर्या में भी अच्छा ख़ासा बदलाव आ जाता है। इन दिनों घर की मां, बहनें, पत्नी रोज़ेदारों के इफ़्तार पकवानों की मनोकामनाओं को पूरी करने में व्यस्त हो जाती हैं, हालांकि एक गृहिणी के रूप में सहरी और इफ्तारी की तैयारी करना उनकी ज़िम्मेदारी तो होती है लेकिन हर दिन नए नए कई व्यंजनों की व्यवस्था में उनका समय और ऊर्जा बर्बाद होती है। इस मौक़े पर महिलाओं को दस्तरख़्वान पर कुछ आवश्यक चीज़ें रखकर "एक-डिश नीति" अपनाना चाहिए ताकि समय का उपयोग इबादतों में कर सकें।

याद रखना चाहिए कि रमजानुल मुबारक सिर्फ़ दस्तरख़्वान सजाने का नाम नहीं है बल्कि इस मुबारक महीने का हर पल और घंटा कीमती और अनमोल होता है, वह सभी रोज़ेदारों के लिए एक स्वर्णिम अवसर होता है। इफ़्तार के समय महिलाएं हों कि पुरुष सभी रोज़ेदारों के लिए यह समय अल्लाह को समक्ष शुक्राना अदा करने, उसके करीब आने, नेकियां और उपकार अर्जित करने , दुआएं और माफ़ी मांगने का एक मूल्यवान समय होता है। इसलिए इस तरह के अज़कारों पर ख़ास ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा निम्न बातों पर हम सबकी तवज्जो होना चाहिए कि, 1) रमजानुल मुबारक के महीने में अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहू अ़लैहि वसल्लम का नमूना अगर सामने रहे तो रमज़ान में वांछित तब्दीलियों को बहुत अच्छी तरह से समझा जा सकता है। हज़रत इब्ने अब्बास रज़ी. का बयान है: "नबी सल्लल्लाहू अ़लैहि वसल्लम भलाई के मामले में सबसे उदार थे और वह सबसे ज़्यादा उदार रमज़ान में हो जाते थे।

जब जिब्रईल अलैहि. रमज़ान के पूरे महीने की हर रात आपसे मिलते थे और नबी सल्लल्लाहू अ़लैहि वसल्लम उन्हें क़ुरआन सुनाते थे।

जब जिब्रईल (अलैहि. आप सल्लल्लाहू अ़लैहि वसल्लम से मिलते थे तो आप सल्लल्लाहू अ़लैहि वसल्लम तेज़ हवाओं से ज़्यादा फ़य्याज़ व दानी हो जाते थे।" इस रिवायत से स्पष्ट होता है कि रमज़ान के माह में आप सल्लल्लाहू अ़लैहि वसल्लम की उदारता जो वैसे ही सबसे ज़्यादा होती थी, अत्यंत बढ़ जाती थी और कुरआन मजीद की खुसूसी तिलावत व दर्स की

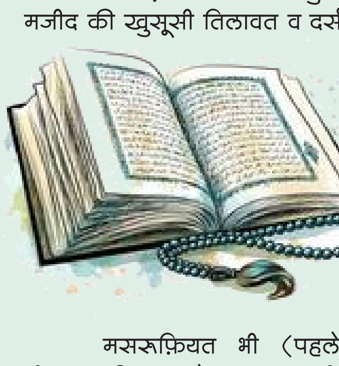

मसरूफ़ियत भी (पहले से ही मसरूफ़ियात से भरपूर) रूटीन में शामिल हो जाती थी।) ध्यान रखना चाहिए कि रमज़ानुल मुबारक के महीने में अल्लाह की तरफ़ से अमल का सवाब बढ़ जाता है इसलिए अमल की ताक़त और अमल का जज़्बा भी बढ़ जाना चाहिए। (रमज़ानुल मुबारक के दिनों में नमाज़ों, नवाफ़िल का विशेष महत्व होता है।

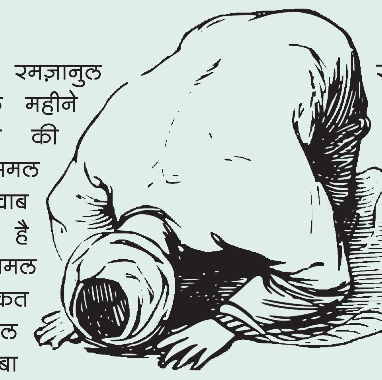

इसलिए फ़र्ज़ नमाज़ों के साथ-साथ नवाफ़िल, दुरूद और अल्लाह के ज़िक्र व अज़कार का विशेष एहतिमाम किया जाना चाहिए।) अपने सहरी और इफ़्तार के हिस्से में गरीब और निर्धन रोज़ेदारों का हिस्सा भी अवश्य शामिल करना चाहिए। (महिलाओं को इफ़्तार बनाते समय बुजुर्गों और मरीजों का खास ख्याल रखना चाहिए और हो सके तो सभी के लिए हल्की, कम मसालेदार इफ़्तारी बनाना चाहिए) इफ़्तारी बनाने और उसके लेन देन में अपना या किसी दूसरे का समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। इस रीत ने बड़ी गंभीर समस्या को जन्म दे दिया है। इस रीत से इबादतों पर बहुत ज़्यादा असर पड़ रहा है जिससे वे बड़ी हद तक प्रभावित और मुतास्सिर हो रही हैं। (उपरोक्त गतिविधियों की बजाय संभव हो तो सप्ताह में एक दो बार या बारी-बारी से अपने वतनी पड़ोसियों को इफ़्तार भेज कर उन्हें इफ़्तार में किए जाने वाले कम से कम इफ़्तार का अहसास दिलाना चाहिए कि दिन भर के रोजों के बाद हमारा इफ़्तार का पकवान इतना सादा होता है।) इफ़्तार के समय बच्चों को एक साथ बैठाकर रमज़ानुल मुबारक के रोज़ों के वास्तविक अर्थ, उद्देश्य और महत्व के बारे में बताना चाहिए और छोटी-छोटी दैनिक दुआएं करना और करवाना चाहिए.

(बच्चों को सूरह और दुआएं याद करवाने और उनके साथ पवित्र क़ुरआन की तिलावत का एहतिमाम करना चाहिए ताकि उन्हें भी इसकी आदत हो जाए।

आज उन्हें जो सिखाया जाएगा वही वे अपनी पीढ़ियों को सौंपेंगे।) तहज्जुद की नमाज़ में अल्लाह की विशेष कृपा प्रकट होती है लेकिन ज़्यादातर लोग इस एक महीने की मेहनत को यूं ही गुज़ार देते हैं और इस दुर्लभ अवसर को गँवा देते हैं, ठीक वैसे ही जैसे एक अयोग्य छात्र अपने करियर की परवाह किए बिना दिन-रात मोबाइल के सामने बैठ कर उसे स्क्रोल करते रहतू है। (इस महीने के आखिरी दशक यानी कि आख़री अशरे में विशेष इबादतों का दौर दौरा होता है।

"एतिकाफ़" के अलावा नायाब इनाम और आध्यात्मिक विकास पाने का एक दुर्लभ अवसर "शबे कद्र" मिलती है। लेकिन होता यह है कि इस दशक में ज़्यादातर रोज़ेदारों का ध्यान बाज़ारों में भौतिकवाद की छटा बिखेरते हैं। जबकि जानकार रोज़ेदार ईद से जुड़े सारे मामले रमज़ान आने से पहले ही कर लेते हैं।) हज़रत आयशा रज़ी. फ़रमाती हैं कि "जब रमज़ान का आख़िरी अशरा शुरू होता तो आप अपनी कमर कस लेते, अपनी रातों को ज़िंदा करते और अपने घर वालों को बेदार रखते।"

यह उस अज़ीम इंसान की कैफ़ियत होती थी जो साल भर "कुमिल-लैला इल्ला- क़लीला (खड़े रहा करो रात को मगर थोड़ा हिस्सा)" पर अमल पैरा रहता था।

CMYK